

11/16

अभि. अक्षीलान्त/रेस्पों उपस्थित  
पूर्व आदेश की पालना होकर मिसल  
दिनांक 15/12/16 को पेश हो।

12/16

अभि. अक्षीलान्त/रेस्पों उपस्थित  
पूर्व आदेश की पालना होकर मिसल  
दिनांक 2/2/17 को पेश हो।

12/17

अभि. अक्षीलान्त/रेस्पों उपस्थित  
पूर्व आदेश की पालना होकर मिसल  
दिनांक 3/3/17 को पेश हो।

13/17

अभि. अक्षीलान्त/रेस्पों उपस्थित  
पूर्व आदेश की पालना होकर मिसल  
दिनांक 12/5/17 को पेश हो।

12/5/17

अभि. अक्षीलान्त/रेस्पों उपस्थित  
पूर्व आदेश की पालना होकर मिसल  
दिनांक 04/8/17 को पेश हो।

4/8/17

अभि. अक्षीलान्त/रेस्पों उपस्थित  
पूर्व आदेश की पालना होकर मिसल  
दिनांक 10/11/17 को पेश हो।

10/11/17

अभि. अक्षीलान्त/रेस्पों उपस्थित / इति. अपाठ्य की पत्रवली तक  
की भांति /  
दिनांक 10/01/18 को पेश हो।  
पूर्व आदेश यथावत रहेगा।

10/1/18

पत्रवली प्रस्तुत है / अधिवक्ता उपायुक्त  
उपायुक्त / आयुक्तों व रेस्पों-र.स.।  
एवं उपायुक्त हुए / उन्होने पालना।

Handwritten signature  
LTG उपायुक्त  
Fingerprint  
Debaraj Singh  
A.K. Saraswati  
10/1/18

राजस्व अपील प्राधिकारी, जयपुर

व्यक्त काली / धापूडेवा

तारीख हुक्म

423  
2016

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

संख्या व तारीख  
अंशुलाम जो इल  
में जारी हुए

पत्र प/0 23 R 3 जा. सी. प्रस्तुत करते हुये  
निवेदन किया कि कपीला-2 व डेल्फोडे-2  
में आपसी स्हमति से राजीनामा हो गया  
है कतः अब वह इस कपील में कोई  
कार्यवाही नहीं चाहते हैं। कपील विद्वा करना  
चाहते हैं कतः काया प्रदान की जावे। चुकी  
दोनों पक्षों में आपसी स्हमति से राजीनामा  
हो गया है एवं अब वह इस कपील को  
आगे चलाना नहीं चाहते हैं एवं कपील  
विद्वा करना चाहते हैं। कतः कपील कपीलाधी  
विद्वा किये जाने से स्वरिष की जाती है।  
तदनुसार पञ्चावली फौजदारी हुकर होकर  
बाद तकमील साखिल इक्तर है। कादेश  
शुजाता गाला